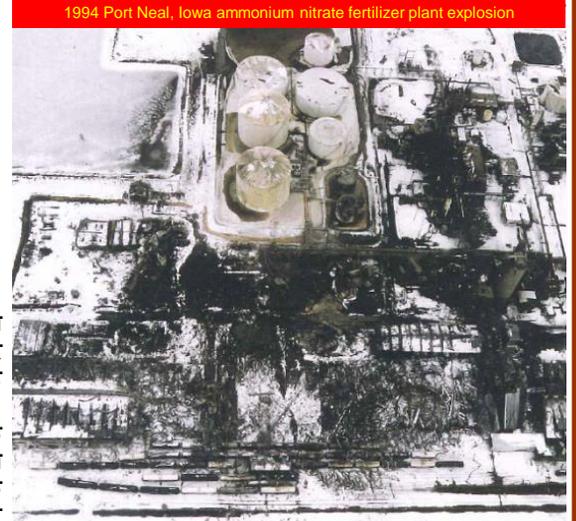


शीघ्रता से गड़बड़ होने की संभावना रहती है !

सितम्बर 2017



क्या आपने कभी कूड़ादान में कागज़ के टुकड़ों को डालने की आवश्यकता समझी है , परन्तु आपने अंतिम 4 कदम उठाने से पहले ही उसको ऊपर उछाला और यह कूड़ा दान के अन्दर गिरने से वंचित हो गये ? तब आप वहाँ से चले जाते हैं , उसको उठाते हैं ,और योजना के अनुसार फिर फैन्क देते हैं। इस प्रक्रिया में क्या लाभ हुआ ? वास्तव में वापिस जाने में आपने प्रयत्न व्यर्थ किए , आपने दोबारा कड़ा उठाया और कड़ेदान में डाला। यदि आप वापिस नहीं जाते तो क्या होता ? इस का परिणाम यह होता कि यह कार्य किसी और को करना पड़ता।



यही प्रोसेस सुरक्षा पर भी लागू होता है। यदि आप कार्य पहली बार में ही सही नहीं करते हैं , तो आप को पुनः करना पड़ता है। या आप का कार्य किसी और को करना पड़ेगा। फिर भी , कुछ प्रोसेस सुरक्षा के कार्य इतने सरल भी नहीं हैं जितने आप को फर्श पर पड़े हुए कूड़े के तरह बिल्कुल स्पष्ट रूप से दिखते हैं। यदि आपने प्रोसेस सुरक्षा से संबंधित कार्य (उदाहरण के लिए , एक प्रक्रिया के अनुसार यन्त्र की जाँच करना) पहली ही बार सही प्रकार से नहीं किये हैं , तो ये आप के लिए, आपके सह कर्मियों , आस पास के लोगो और पर्यावरण के लिए गम्भीर परिणामों में परिवर्तित हो सकते हैं। कब? कहाँ पर? कैसे ? कौन जानता है ?

यह क्यों महत्वपूर्ण है ?

संयंत्र में “ सरल उपाय” अपनाना ही बहुधा प्रकार की प्रोसेस सुरक्षा से संबन्धित घटनाएँ होने का सबसे बड़ा कारण है। उदाहरण के लिए :

- नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करने में विफलता
- बिना सही कार्यवाही के अलार्म को स्वीकार कर लेना और बंद कर देना
- संयंत्र की वास्तविक स्थिति की जांच करने में विफलता
- जाँच सूची को अपने साथ लिये बिना ही संयंत्र की प्रक्रियाओं का अनुसरण करना। यह गतिविधि आपने सैंकड़ों बार की होगी, परन्तु लोग अधिक से अधिक 99 % ही सही हो सकते हैं। यदि आप जाँच सूची प्रयोग में नहीं ला रहे हैं, तो आप एक मध्यम दर्जे की विकट प्रक्रिया में कोई कदम भूलने की संभावना सामान्य से 10 गुणा अधिक है।

चूंकि ये देखने में बहुत छोटी घटनाएँ प्रतीत होती हैं, परन्तु इन के परिणाम गम्भीर हो सकते हैं। अनुपयुक्त, अनूचित या गलत प्रकार से प्रयोग की गई प्रणालियों के फलस्वरूप बहुत बड़ी घटनाएँ हो सकती हैं , जिन में बहुत से अपघात और क्षति हो सकती हैं। उदाहरण के लिये , दिसम्बर 1994 में पोर्ट नील , लोवा के उर्वरक संयंत्र में एक विस्फोट की घटना हुई। इस में 4 अपघात और 18 लोग घायल हुए , संयंत्र का बहुत बड़ा भाग क्षतिग्रस्त हो गया, और रसायन के हुए उत्सर्जन का पर्यावरण पर बहुत दुष्प्रभाव हुआ। यू एस(US) ईपीए (EPA) जाँच समिति इस निष्कर्ष पर पहुँची कि “ विस्फोट होने का प्रमुख कारण लिखित , सुरक्षित प्रचालन प्रक्रियाओं के अभाव के कारण हुआ” और इस कारण “ संयंत्र में ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई जो विस्फोट होने के लिये आवश्यक थी। “

जो कार्य सरल नहीं है , उसको कैसे किया जाये ? यह संभावना है कि एक यन्त्र को जाँच करने के लिये बहुत सी सीढ़ियों को पार करना पड़ सकता है , स्तर की पुष्टि करने के लिये उस यन्त्र की सीमा रेखा के भीतर प्रवेश करना पड़ सकता है, या वाल्व की स्थिति को जाँचने के लिये संयंत्र के दूसरे छोर पर पड़ सकता है। जब आप व्यस्त हो तो इस को छोड़ना तर्कसंगत माना जा सकता है। कोई और अगली बार इसे कर देगा - ठीक वैसे ही जैसे फर्श पर पड़ा हुआ कूड़ा। परन्तु यदि हर व्यक्ति उसी प्रकार से इसे नज़र अंदाज करता है , तो कार्य कभी भी सम्पन्न नहीं होगा।

यदि आप के पास कार्य को पहले ही बार में ठीक करने का समय नहीं है , तो आप को पुनः करने के लिए समय कहाँ से मिलेगा ?

आप क्या कर सकते हैं

- हमेशा पूर्ण रूप से प्रक्रियाओं का अनुसरण करे। यदि प्रक्रियाएँ गलत हैं या सही नहीं हैं तो आप समस्याएँ अपने पर्यवेक्षकों को बताये। वे चाहते हैं कार्य सही प्रकार , सुरक्षा और सुचारु रूप से हो !
- जब आप संयंत्र का निरीक्षण कर रहे हैं, तो आप यह कार्यवाही अच्छे प्रकार से और प्रयाप्त समय लेकर करे।
- यदि निरीक्षण के समय ऐसे बिन्दु आते हैं, जिन पर पहुँचना कठिन है, यंत्र जो सुचारु रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं या उनका अंशाशीधन (calibration) ठीक नहीं है , अज्ञात तरल जो पाइप लाइनों से बह रहे हैं , आंदोलक (agitator) जो असामान्य तरह से हिल रहे हैं, पम्प जिन में अजीब प्रकार की ध्वनियाँ आ रही हैं, और जब आप संयंत्र का दौरा कर रहे हैं और आप को कुछ असामान्य प्रतीत हो रहा है, इन सब का आप दौरा शीट पर विवरण लिख दे। और साथ में अपने पर्यवेक्षक का इस ओर ध्यान आकृष्ट करे। जब तक आप को समस्या का पता नहीं है तब तक आप इस का समाधान नहीं ढूँढ सकते।